Shri Manubhai Shah: Actually, we have a permanent unit, the Directorate-General of Exhibitions. The recruitment of certain staff like experts is on a permanent basis. So far as visitors and guides are concerned, it is better to recruit fresh people every time so that experience is continually gained.

Shri Warior: On a comparative study of exclusive exhibitions and participating in international exhibitions, which is more profitable to our country and which gives more satisfactory results?

Shri Manubhai Shah: Both are satisfactory and very helpful to the country.

श्री रामेश्वरानन्द : ये जो प्रदर्शनियां विदेशों में करने का विचार किया जा रहा है, इस वर्ष भी और आगामी वर्षों में भी, इन पर कितना व्यय होगा और इससे भारत को मौलिक रूप से क्या लाभ होता है ? क्या यह जो इस समय भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था इसके चित्र आदि विशेष रूप से वहां दिखाये जायेंगे ?

श्री मनुभाई शाह : यह तो बहुत लम्बा चौड़ा सवाल स्वामी जी ने कर दिया है. . .

अध्यक्ष महोदय : जितने लम्बे स्वामी जी खुद हैं उतना लम्बा सवाल भी होगा ।

श्री मनुभाई शाह : मैं इतना ही कह देना चाहता हूं कि निर्यात बढ़ाने के लिए ही एग्जीविशन करने की जरूरत नहीं होती है बल्कि to maintain even the export trade you have got to have exhibitions.

श्री हुकम चन्द कछवाय : इन प्रदर्शनियों में जितना खर्च किया जाता है क्या उसकी तुलना में उतना माल भी हमारा क्या बिक जाता है ?

श्री मनुभाई शाह : इस मामले में पक्का तो कुछ नहीं कहा जा सकता है लेकिन अलग अलग जगह पर अलग अलग अनुभव होता है । लेकिन मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि एक से दस गुना तकरीबन हो रहा है । जितना खर्च होता है उस पर आन एन एवरेज दस गुना टर्न ओवर हो जाता है

श्री यशपाल सिंह : इन एग्जीबीशंज के लिए जितनी इंडियन गर्ल्ज गई थीं उनमें से कितनी वहीं शादी करके रह गई हैं और कितनी वापिस आई हैं ? कितनी वहां शादी करके सैटल हो गई हैं और कितनी वापिस आई हैं ?

अध्यक्ष महोदय : आप यह रिकार्ड क्यों खास तौर पर रखना चाहते हैं ?

श्री सरजू पाण्डेय : विदेशों में हमारी प्रदर्शनियों में जो सामान प्रदर्शित किया जाता है उस सामान का चुनाव किस आधार पर किया जाता है ? क्या सरकार खुद चुनाव करती है या उसके लिए कोई कमेटी बनाई जाती है जो यह फैसला करती है कि क्या क्या प्रदर्शित किया जाए ?

श्री मनुभाई शाह : इसमें कई सामान तो निजी तजारत वालों का होता है, प्राइवेट इण्डस्ट्रीज वालों का होता है और हमारे पब्लिक सैक्टर वाले भी वहां सामान दिखाते हैं । उस सामान की डिसपोजल करने के लिए इंटरनेशनल कनवैंशन में थोड़े कायदे दिये हुये हैं । जो माल कस्टम पे करके बेचा जा सकता है उसको बेच दिया जाता है और बाकी के सामान को वापिस लाना पड़ता है ।

कपड़ा मिलों को वित्तीय सहायता

+

*478. **श्री बागड़ी** :
श्री रामसेवक यादव :
श्री मधु लिमये :
श्री प्र० चं० बरुआ :
श्री प्र० रं० चक्रवर्ती :

क्या वाणिज्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सूती कपड़ा परामर्शदाता बोर्ड ने सरकार से अनुरोध किया है कि

कपड़ा मिलों को वित्तीय सहायता देने के लिये उसे ऋण सुविधा दी जाये; और

(ख) यदि नहीं, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) : (क) और (ख). सूती वस्त्र का भण्डार एकत्रित होने से उत्पन्न परिस्थिति और जरूरतमन्द मिलों को वित्तीय सहायता देने के प्रश्न पर सूती वस्त्र सलाहकार बोर्ड की विशेषतः बुलाई गयी एक बैठक में विचार किया गया है । इसके फलस्वरूप रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों को अतिरिक्त भण्डारों पर दो सप्ताह के लिये ऋण दे देने के आदेश दे दिये हैं । भारत सरकार तथा राज्य सरकारें भी कुछ उपयुक्त मामलों में बैंकों को कुछ ऋणों के सम्बन्ध में गारण्टी दे रही हैं ।

श्री बागड़ी : मैं जानना चाहता हूं कि कर्ज इत्यादि इन कारखानों को आधुनिकीकरण कार्य के लिये दिये जाते हैं या उधीरा मंदीजी के वास्ते ?

Shri S. V. Ramaswamy: Invariably there is the difficulty about the financial position owing to certain accumulation of goods. In order to facilitate the actual running expenditure and the working of the mills, these facilities are provided now.

श्री बागड़ी : क्या ऐसी मिलें और कारखाने जिन को सरकारी पैसा मिलता है वे उस सरकारी पैसे का दुरुपयोग करती है ऐसा देखा गया है ? जो इस तरह से हिसाब किताब में गोलमाल करती हैं क्या सरकार उन कल कारखानों को, उन मिलों को, कौमी मिलकियत करार देने का विचार कर रही हैं ? अगर उसने ऐसा विचार किया है तो किन के बारे में ?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): These are only a few mills out of more than 560 mills. The whole point is that when a mill becomes too old, it is not worthwhile nationalising as the hon. Member has suggested. Nationalisation cannot take place of one unit; you have to nationalise the whole industry. What the Government is doing is that whenever such bad units crop up, we appoint authorised controllers and get them modernised in the long term.

श्री मधु लिमये : सूती मिल उद्योग पर इस वक्त जो संकट आया है, उसके कारण कितनी मिल बन्द हो गई हैं, इस वक्त कितने मजदूर बेकार हो गए है विभिन्न राज्यों में, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश इत्यादि में ? यह जो वित्तीय सहायता दी जा रही है क्या उसका इस बेकारी को कम करने के लिये कोई इस्तेमाल किया जाएगा ?

Shri Manubhai Shah: This has been answered very many times by my colleague and myself here.

श्री मधु लिमये : कितने लोग बेकार हैं ?

श्री मनुभाई शाह : कुल बाईस मिलें इस तरह की हैं । इन में से दस को तो स्क्रैप कर दिया गया है क्योंकि ये सौ साल से पुरानी थीं । बारह मिलें जो हैं वे बन्द पड़ी हैं और उनमें से चार पांच को हम चलाने की कोशिश कर रहे हैं । म्योर मिल है, इन्दू मिल है और तीन और मिलें महाराष्ट्र में हैं । कुल 650 मिलें देश में हैं जिन में से तीन साढ़े तीन या चार सौ मिलें नई मिलें हैं । पूरे पारस्पैक्टिव में देखा जाए तो ग्यारह बारह लाख आदमियों में से कोई चौतीस हजार के करीब इस तरह के आदमी होंगे जो बेकार हो गए हैं ।

Shri P. C. Borooah: Why does Government squeeze credit rather than offer any facilities to the industry particularly at a time when more and more production is the only slogan of the day?

Shri Manubhai Shah: We are helping these for more production. But the unit must be worth running; you cannot afford to lose.

Shri P. R. Chakraverti: May I know whether Government have laid down specifications for improving the technique of work and for having efficient management so as to justify the financial assistance?

Shri Manubhai Shah: Once the Government does take over the units, I hope the hon. Member will appreciate that the authorised Controller does whatever he can. At one time, in 1961-62, he had 37 mills—if I forget not—running under us and each one was making profit. Once the mills were properly reorganised, they were either handed over to the original owners or to new owners.

Shri Sham Lal Saraf: May I know whether, after this recent conflict with Pakistan, there is again a spurt in the lifting of these stocks or the stocks have begun to move in the market?

Shri S. V. Ramaswamy: There is a slight improvement. Formerly, it was about 430,000 bales of cloth and now there is a reduction particularly after Diwali and it has come down to 428,000 bales. With regard to yarn also, it was about 169,000 bales and now it has come down to 160,000 bales.

Shri S. M. Banerjee: In reply to Shri Madhu Limaye's question, the hon. Minister, Shri Manubhai Shah, mentioned three or four factories—one in Kanpur—and may I know whether it is a fact that for the Muir Mills Ltd., the Government has stood surety for Rs. 40 lakhs of working capital and that all actions have been completed and, if so, what is the reason that this mill is not being re-opened?

Shri Manubhai Shah: As soon as the legal formalities are over, we shall restart the mill.

श्री रामेश्वर टांटिया : क्या हिन्दुस्तान के एक बहुत बड़े टैक्सटाइल ग्रुप इंडियन यूनाइटेड ग्रुप ने गवर्नमेंट के पास ऐप्रोच किया है कि वह पूंजी की कमी के कारण अपनी मिलें बन्द करने जा रहे हैं और इसमें 20,000 मजदूरों की रोज़ी का सवाल है ? सरकार इस बारे में क्या कर रही है ?

श्री मनुभाई शाह : सरकार उस मैनेजमेंट को उसे चलाने के लिये कुछ नहीं दे सकती है । सरकार खुद आथराइज्ड कण्ट्रोलर के जरिये उसे चलाने की सोच रही है ।

Shri Sonavane: As a result of the measures taken by the Ministry, as stated by the Deputy Minister, may I know how many mills have restarted working, and particularly in Maharashtra what steps are being taken to start the Sholapur Spinning and Weaving Mill?

Shri Manubhai Shah: This has been covered already many times.

Mr. Speaker: Next question.

Visit of Industrial Delegation to African Countries

\+
*480. **Shri P. R. Chakraverti:**
Shri P. C. Borooah:
Shri M. Rampure:
Shri Kanakasabai:
Shri Mohammed Koya:
Shri Onkar Lal Berwa:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether an Industrial Delegation visited some African countries to find out the prospects of setting up industries on a joint basis in those countries and promoting technical and economic collaboration;

(b) if so, the names of the countries visited by the Delegation; and

(c) the main recommendations made by them?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri S. V. Ramaswamy): (a) and (b). An Industrial Delegation consisting of some well-known Indian industrialists and sponsored by the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry